:: आ भा र ::

यह शोध प्रबंध प्रस्तुत करते हुए अत्यंत हर्ष की अनुभूति होना सर्वथा स्वाभाविक है। इस प्रबंध लेखन के लिए मेरे मार्गदर्शक, आदरणीय डॉ. रा. भा. देवस्थली से मुझे बहुमूल्य मार्गदर्शन प्राप्त हुआ है। उनके द्वारा समय समय से मिला हुआ प्रोत्साहन, और स्नेहपूर्ण मार्गदर्शन के कारण ही मैं प्रस्तुत शोध प्रबंध संपन्न कर सकी हूँ। मेरे प्रयासों को नियमितत: प्रेरणा देनेवाले मार्गदर्शन एवं सहयोग देनेवाले डॉ. रा. भा. देवस्थली जी की मै सदैव आभारी हूँ।

प्रस्तुत शोध प्रबंध के संदर्भ में कोल्हापुर जिला क्षेत्र के उन सभी बी. एड के छात्रशिक्षकों की, अध्यापकों की भी मैं आभारी हूँ।

इनके अतिरिक्त मेरे अजीज स्नेही जिन्होंने मुझे प्रस्तुत शोध प्रबंध के कार्य में समय समय से प्रोत्साहन दिया एवं मदद की वे श्री. महेश रा. पवार की भी मैं आभारी हूँ।

प्रस्तुत अनुसंधान कार्य की नींव डालने का कार्य अर्थात् प्रेरणा देनेवाले और प्रोत्साहन देनेवाले मेरे पिताजी स्वर्गवासी, गोपाळराव भाकरे, इनके प्रति भी मैं कृतज्ञ हूँ।

इस प्रबंध को समय पर टंकलिखित करने का कार्य श्री. राजेंद्र आनंदराव चव्हाण ने किया है। उनकी भी मैं आभारी हूँ।

प्रस्तुत प्रबंध को व्याकरणिक शुद्धि स्वरूप देने के लिए मेरे हिंदी विषय के प्राध्यापक गुरु श्री. कृ. ज. वेदपाठक, इनके प्रति भी मै कृतज्ञता ज्ञापन करना

अपना कर्तव्य मानती हूँ।

यदि मेरे इस छोटे से प्रयास से बी.एड. के अध्यापकों को तथा शिक्षा शास्त्र विभागांतर्गत अध्ययन करनेवाले विद्यार्थियों को थोडी मात्रा में सही लाभ प्राप्त हो सकता है, तो मै अपने परिश्रम की सार्थकता मानूँगी।

दिनांक : 23/6/95

S. G. Bhakare

श्रीमती भाकरे एस्. जी.